आज का सुविचार

आत्मसंतुष्टि ही जीवन की सच्ची समृद्धि है; इसे पाने का प्रयास हमे करना चाहिए।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।

संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 40 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 8 नवंबर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

BNSS-40(3), नाम, निवास आदि न बताने वाले व्यक्ति को पुलिस कब छोड़ सकती है कब नहीं जानिए

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 39 में बतया गया है कि अगर कोई व्यक्ति अपना नाम और निवास पता बताने से इन्कार करता है तब पुलिस अधिकारी ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस की आगे क्या प्रक्रिया होगी जानिए

युवा प्रदेश समाचार पत्र

- लेखक बीआर अहिरवार (एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

9827737665

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 40 की उपधारा 03 की परिभाषा ??

यदि यह विश्वास करने का कारण है कि उसने असंज्ञेय अपराध किया है और वह पुलिस अधिकारी की मांग पर अपना नाम और निवास बताने से इंकार करता है, या ऐसा नाम या निवास बताता है, जिसके बारे में ऐसे अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि वह मिथ्या है, तो उसके विषय में धारा 39 के उपबंधों के अधीन कार्यवाही की जाएगी; किंतु यदि यह विश्वास करने का कोई पर्याप्त कारण नहीं है कि उसने कोई अपराध किया है तो वह तुरंत छोड़ दिया जाएगा।

सरल भाषा और शब्दों मे-

यदि पुलिस अधिकारी को लगता है कि व्यक्ति ने असंज्ञेय अपराध किया है और

1. वह अपना नाम और निवास बताने से इंकार करता है।
2. वह झूठा नाम और निवास बताता है।

तो पुलिस अधिकारी धारा 39 के तहत कार्यवाही करेगा। लेकिन यदि-

1. व्यक्ति ने अपराध नहीं किया है।
2. अपराध के सबूत नहीं हैं।

तो व्यक्ति को तुरंत छोड़ दिया जाएगा।

उदाहरण के लिए-

1. श्याम ने एक असंज्ञेय अपराध किया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। श्याम ने झूठा नाम और निवास बताया। पुलिस ने धारा 39 के तहत कार्यवाही की।
2. विक्रम को पुलिस ने गलती से गिरफ्तार किया। विक्रम ने अपना नाम और निवास बताया और अपराध के सबूत नहीं थे। पुलिस ने विक्रम को तुरंत छोड़ दिया।

BNSS- 171 लोक संपत्ति को क्षति पहुचाने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस क्या कार्यवाही कर सकती है जानिए

अगर कोई व्यक्ति लोक संपत्ति जैसे कि सरकारी स्कूल, अस्पताल,सड़क, कालेज, शासकीय वाहन आदि को क्षति पहुंचाता है या इनको क्षति या नुकसान पहुचाने की कोशिश मात्र करता है तब पुलिस अधिकारी बिना शिकायत या एफआईआर के ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकती है जानिए-

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 170 की परिभाषा

यदि किसी पुलिस अधिकारी को लगता है कि कोई व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को क्षति ,नुकसान पहुंचाया जा रहा है या पहुंचाई जाने वाली है, तो वह उसे रोकने के लिए इस धारा के अंतर्गत ठोस कार्यवाही कर सकता है।

उदाहरण के लिए-

- यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक संपत्ति या लोक संपत्ति जैसे कि पार्क या सरकारी भवन , बस स्टैंड आदि को नुकसान पहुंचा रहा है, तो पुलिस अधिकारी उसे रोक सकता है।
- यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थलचिह्न जैसे कि सड़क के निशान या ट्रैफिक सिग्नल को हटाने या क्षति पहुंचाने की कोशिश कर रहा है, तो पुलिस अधिकारी उसे रोक सकता है।
- यदि कोई व्यक्ति नौवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले चिह्न जैसे कि लाइटहाउस या मार्ग चिन्ह को हटाने या क्षति पहुंचाने की कोशिश कर रहा है, तो पुलिस अधिकारी उसे रोक सकता है।

इस प्रकार BNSS की धारा 171 पुलिस अधिकारी को सार्वजनिक संपत्ति को क्षति से बचाने के लिए हस्तक्षेप करने की शक्ति प्रदान करती है, ताकि सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस को फ्यूचर रेडी होना होगा : मुख्यमंत्री

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दुरूपयोग और सायबर क्राइम के खतरे से समाज को बचाने रहें तैयार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दुरूपयोग और सायबर क्राइम के खतरे से समाज को बचाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को फ्यूचर रेडी होना होगा। इसके लिए सूचना प्रौद्योगिकी की अद्यतन तकनीकों का उपयोग करते हुए प्रत्येक थाने में सायबर डेस्क, हर जिले में सायबर थाना और राज्य स्तर पर कॉल सेंटर स्थापित किया जाए। सायबर फ्रॉड और क्राइम से लोगों को बचाने के लिए सघन जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस, सोशल मीडिया पर चलने वाली गतिविधियों और मैसेज आदि पर निगरानी रखें तथा भ्रामक, गलत खबर फैलाने वालों पर त्वरित कार्रवाई करें। कानून-व्यवस्था के साथ अन्य भ्रामक खबरों के बारे में संबंधित विभाग को तथ्यों की जाँच करने के लिए अवगत कराया जाए, जिससे वस्तुस्थिति की पुष्टि करते हुए सही जानकारी का सोशल मीडिया पर तत्काल प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मंत्रालय में हुई गृह विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह श्री एस.एन. मिश्रा, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मार्च 2026 तक नक्सल गतिविधियों को पूर्णतः समाप्त किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नक्सल विरोधी अभियान संबंधी बैठक में मार्च-2026 तक नक्सल गतिविधियों को पूर्णतः समाप्त करने का निर्णय लिया गया था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश के संभावित नक्सल क्षेत्र में सघन ऑपरेशन चलाया जाए। इसके लिए निश्चित समय सीमा में आवश्यकतानुसार हॉक-फोर्स की भर्ती की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन जिलों में वन्य पशुओं की गतिविधियों से जन जीवन प्रभावित होने या जन हानि होने की संभावना है वहा वन विभाग से समन्वय और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए पुलिस सक्रिय रहे।

गौ-तस्करों पर कठोर कार्यवाही की जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सघन मॉनिटरिंग की जाए। थानावार नशे से संबंधित गतिविधियों वाले संभावित क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाते हुए संदिग्ध व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही करें। संदिग्ध हुक्काबार, नाइट क्लब आदि पर भी निगरानी बढ़ाई जाए। नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए पड़ोसी राज्यों से समन्वय कर अंतर्राज्यीय गिरोहों के खिलाफ अभियान चलाया जाए। साथ ही गौ-तस्करों पर भी कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में महिला अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष प्रयास करने और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नाबालिग बालिकाओं के साथ दुष्कर्म करने वालों को कठोरतम दंड दिलाना सुनिश्चित किया जाए। गुम हुई बालिकाओं की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवीन क्रिमिनल कोड के संबंध में जागरूकता के लिए मैदानी स्तर तक सघन प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए।

सिविल सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण का अनुसमर्थन

254 नए उर्वरक विक्रय केंद्रों की स्थापना की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम, 1997 में मुख्यमंत्री के

आदेश दिनांक 13.09.2023 एवं इसके परिपालन में विभाग द्वारा जारी अधिसूचना 3 अक्टूबर, 2023 का अनुसमर्थन किया गया। इस निर्णय से महिला आरक्षण 35 प्रतिशत होगा। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2024-25 में (खरीफ एवं रबी सीजन में) 254 नए उर्वरक विक्रय केन्द्र स्थापित करने पर मानव संसाधन पर होने वाली संभावित व्यय की वास्तविक राशि अधिकतम 1 करोड़ 72 लाख रूपये की सीमा तक की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप वि?द्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 (410) मेगावाट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 (420 मेगावाट) में स्थापित इकाइयों को रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 में स्थित इकाई क्रमांक 6 एवं 7 (200 + 210 मेगावॉट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 में स्थित इकाई क्रमांक 8 एवं 9 (2ङ्ग210 मेगावॉट) द्वारा रूपांकित आयु पूर्ण कर ली गई हैं।

कमेंन्डेशन डिस्क'' एवं प्रशस्ति-पत्र'' से सम्मानित होंगे वनकर्मी

भोपाल। मध्यप्रदेश के वनकर्मियों को स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा वन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मध्यप्रदेश ÷कमेन्डेशन डिस्क'' एवं ÷प्रशस्ति-पत्र'' देकर सम्मानित किया जायेगा। अलंकरण समारोह 6 नवम्बर को वन भवन (वन मुख्यालय) तुलसी नगर, भोपाल में दोपहर 12 बजे होगा। समारोह में 46 अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जायेगा। पुरस्कृत होने वाले वनकर्मियों में बालाघाट जिले के बालाघाट उत्तर उत्पादन के उप वन क्षेत्रपाल श्री राजेश कुमार पाण्डे, बैतूल जिले के पश्चिम बैतूल के वन-रक्षक श्री फूलदेव यादव, जिला छिंदवाड़ा के उत्पादन की वन क्षेत्रपाल श्रीमती अनामिका कनोजिया, पश्चिम वृत्त से वन-रक्षक श्री सौरभ सिंह चौहान, माधव राष्ट्रीय उद्यान के वन-रक्षक श्री अनिल शर्मा, उज्जैन जिले के सामान्य वन मण्डल रतलाम के वन-रक्षक श्री रोहित चौहान, खण्डवा जिले के सामान्य वन मण्डल खरगौन के वन-रक्षक श्री कैलाश मोरे, भोपाल जिले के सामान्य वन मण्?डल विदिशा के वन क्षेत्रपाल श्री देवेश गौतम, सामान्य वन मण्डल रायसेन के कार्यवाहक उप वन क्षेत्रपाल श्री सजन सिंह मीणा, सामान्य वन मण्डल भोपाल के वनपाल श्री राजकुमार चौधरी, सामान्य वन मण्डल रायसेन की कार्यवाहक वनपाल कु. मुक्ता विश्वकर्मा, स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई जबलपुर के वनपाल श्री विपिन लकड़ा, वन-रक्षक श्री कैलाश चरार, राज्य स्तरीय उड़न दस्ता भोपाल के कार्यवाहक वनपाल (क्रीड़ा क्षेत्र) श्री मुकेश बघेल और वन-रक्षक (क्रीड़ा क्षेत्र) श्री शैलेश कुमार वर्मा शामिल हैं।

मंत्रालय में पर्यटन बोर्ड के कार्यों और योजनाओं की समीक्षा

पर्यटन में प्रशिक्षण के साथ रोजगार पर दे विशेष ध्यान-राज्य मंत्री श्री लोधी

भोपाल। पर्यटन परियोजनाओं में प्रशिक्षण के साथ साथ युवाओं को रोजगार भी मिले। इसका विशेष ध्यान दिया जाए। रोजगार के विभिन्न विकल्पों और योजनाओं पर भी कार्य करें। यह बात पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने मंत्रालय में पर्यटन बोर्ड की समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जनमानस और पर्यटकों से जुड़ी परियोजनाओं को धरातल पर वास्तविक रूप से लागू करें। वह स्वयं प्रदेश में दौरा कर पर्यटन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। राज्य मंत्री श्री लोधी ने स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना में

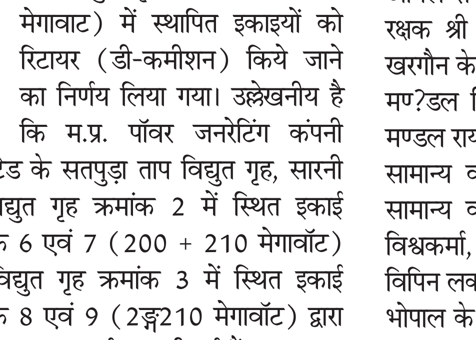

निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उज्जैन के बाद मैहर में पर्यटकों की बड़ी हुई संख्या को देखते हुए निर्देश दिए मां शारदा मंदिर को धार्मिक स्थल के रूप में प्रचारित करने और पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने पर विशेष ध्यान दे। साथ ही वीरांगना रानी अवंतीबाई के जीवन चरित्र, योगदान और घटनाओं पर आधारित संग्रहालय निर्माण की योजना पर कार्य करें। सभी कार्यों को व्यवस्थित रूप से करें। शिकायत का मौका न दे। राज्य मंत्री श्री लोधी ने पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नाम पर संचालित होने वाली वायु सेवा के संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उड़ाने समय पर और नियमित संचालित हो। राज्य मंत्री श्री लोधी को प्रेजेंटेशन के माध्यम से पर्यटन बोर्ड के बजट और कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई।

अस्पताल में गर्भवती से खून से लथपथ बिस्तर साफ करते वायरल वीडियो पर संज्ञान लेकर कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले के लालपुर गांव में जमीन विवाद में एक परिवार के 3 लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या की गई थी। डिंडोरी में जमीन विवाद को लेकर हुए इस तिहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई । मरने वालों में पिता और बेटा भी शामिल थे। इस हमले में गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ शिवराज को इलाज के लिए गाड़ासरई स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान शिवराज की मौत हो गई।शिवराज की मौत के बाद वही खून से लथपथ बिस्तर उसकी 5 महीने की गर्भवती पत्नी से साफ करवाया गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सोशल मीडिया पर वाइरल इस वीडियो को संज्ञान में लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिंडोरी द्वारा जिले में हुई आपत्तिजनक एवं अमानवीय घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है।इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गाड़ासरई में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह को आगामी आदेश तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करंजिया में संलग्न किया गया है। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गाड़ासरई में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर राजकुमारी एवं आया छोटी बाई ठाकुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

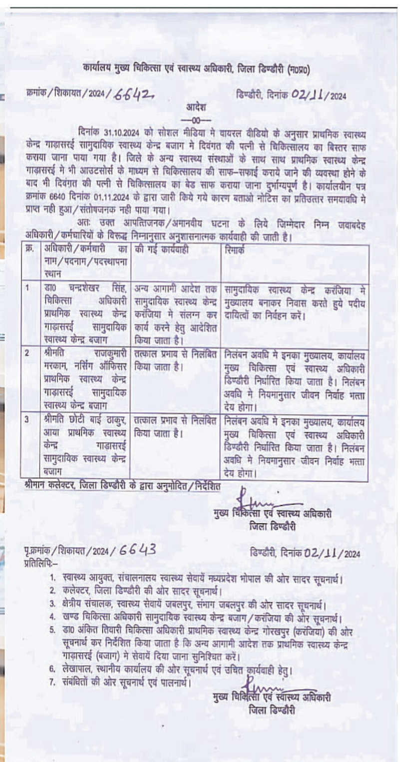

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला डिण्डौरी (म0प्र0)

क्रमांक/शिकायत/2024/6642 डिण्डौरी, दिनांक 02/11/2024

आदेश

—00—

दिनांक 31.10.2024 को सोशल मीडिया मे वायरल वीडियो के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ासरई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग मे दिवंगत की पत्नी से चिकित्सालय का बिस्तर साफ कराया जाना पाया गया है। जिले के अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं के साथ साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ासरई मे भी आउटसोर्स के माध्यम से चिकित्सालय की साफ–सफाई कराये जाने की व्यवस्था होने के बाद भी दिवंगत की पत्नी से चिकित्सालय का बेड साफ कराया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कार्यालयीन पत्र क्रमांक 6640 दिनांक 01.11.2024 के द्वारा जारी किये गये कारण बताओ नोटिस का प्रतिउत्तर समयावधि मे प्राप्त नही हुआ/संतोषजनक नही पाया गया।

अतः उक्त आपत्तिजनक/अमानवीय घटना के लिये जिम्मेदार निम्न जवाबदेह अधिकारी/कर्मचारियों के विरूद्ध निम्नानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है।

क्र.	अधिकारी/कर्मचारी का नाम/पदनाम/पदस्थापना स्थान	की गई कार्यवाही	रिमार्क
1	डा0 चन्द्रशेखर सिंह, चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ासरई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग	अन्य आगामी आदेश तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करंजिया मे संलग्न कर कार्य करने हेतु आदेशित किया जाता है।	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करंजिया मे मुख्यालय बनाकर निवास करते हुये पदीय दायित्वों का निर्वहन करें।
2	श्रीमति राजकुमारी मरकाम, नर्सिंग ऑफिसर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ासरई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग	तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।	निलंबन अवधि मे इनका मुख्यालय, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिण्डौरी निर्धारित किया जाता है। निलंबन अवधि मे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।
3	श्रीमति छोटी बाई ठाकुर, आया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ासरई सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग	तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।	निलंबन अवधि मे इनका मुख्यालय, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिण्डौरी निर्धारित किया जाता है। निलंबन अवधि मे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

श्रीमान कलेक्टर, जिला डिण्डौरी के द्वारा अनुमोदित/निर्देशित

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला डिण्डौरी

पृ.क्रमांक/शिकायत/2024/6643 डिण्डौरी, दिनांक 02/11/2024

प्रतिलिपिः–

1. स्वास्थ्य आयुक्त, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें मध्यप्रदेश भोपाल की ओर सादर सूचनार्थ।
2. कलेक्टर, जिला डिण्डौरी की ओर सादर सूचनार्थ।
3. क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवायें जबलपुर, संभाग जबलपुर की ओर सादर सूचनार्थ।
4. खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बजाग/करंजिया की ओर सूचनार्थ।
5. डा0 अंकित तिवारी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गोरखपुर (करंजिया) की ओर सूचनार्थ कर निर्देशित किया जाता है कि अन्य आगामी आदेश तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गाड़ासरई (बजाग) मे सेवायें दिया जाना सुनिश्चित करें।
6. लेखापाल, स्थानीय कार्यालय की ओर सूचनार्थ एवं उचित कार्यवाही हेतु।
7. संबंधितों की ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला डिण्डौरी

सेम्पल रिपोर्ट में सामने आया मृत हाथियों में मिले भारी मात्रा में कई जहरीले केमिकल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में खितौली और पतौर रेंज में 29 अक्टूबर को हाथियों के मृत पाये जाने की घटना हुई थी। इसके संबंध में मृत हाथियों के विसरा विज्ञान प्रयोगशाला में भेजे गये थे। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि 5 नवम्बर को मृत हाथियों की विसरा सैम्पल की विषाक्तता रिपोर्ट केन्द्र सरकार के आयवीआरआई बरेली उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के अनुसार मृत हाथियों के विसरा में साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड पाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भी पता चलता है कि हाथियों ने बड़ी मात्रा में खराब कोदो पौधे/अनाज खाये हैं। नमूनों में पाये गये साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड की विषाक्तता की वास्तविक गणना और आगे की जा रही है आयवीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार नाइट्रेट-नाइट्राइट, भारी धातुओं के साथ-साथ ऑर्गनों-फॉस्फेट ऑर्गनो-क्लोरीन, पाइरेथ्रोइड और कीटनाशकों के कार्बामेट समूह की उपस्थिति के लिये नकारात्मक पाई गई है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव कृष्णमूर्ति ने बताया कि आयवीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में आसपास के क्षेत्रों में ध्यान रखने के लिये एडवायजरी भी जारी की है, जिसमें ग्रामीणों में जागरूकता, खराब फसल में मवेशियों को न चराने जैसे बिन्दु दिये गये हैं, जिसे प्रबंधन द्वारा पालन कराया जायेगा।

जिन जिलों के वन क्षेत्रों में हाथी अधिक, वहां चलेगा जन-जागरूकता अभियान मुख्यमंत्री के निर्देश पर की जा रही कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सभी पहलुओं के मद्देनजर सतत् आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अपर मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव के अनुसार टाइगर रिजर्व में 6 विशेष दल बनाकर स्वस्थ हाथियों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। खितौली रेंज के बगदरा बीट में रेस्क्यू किये गये हाथी की वन्य-प्राणी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। अपर मुख्य वन संरक्षक ने बताया कि मानव-हाथी द्वंद एवं वन्य-प्राणी प्रबंधन के लिये हाथियों के मूवमेंट क्षेत्रों से लगे गाँवों में मुनादी करायी जा रही है। जनहानि प्रकरण में 8 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रूपये देने का लिया निर्णय साथ ही प्रबंधन को मजबूत करने के लिये बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मुख्य वन संरक्षक शहडोल द्वारा 35 स्टॉफ की ड्यूटी लगाई गई है। अपर मुख्य वन संरक्षक के अनुसार सोमवार तक सभी मृत हाथियों के बिसरा एवं पानी के नमूने आईबीआरआई जबलपुर, एसडब्ल्यूएफएच जबलपुर और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला सागर भेजे जा चुके हैं। मिट्टी और हाथियों द्वारा खाई गई फसल के नमूने भी लिये गये हैं, जो विश्लेषण के लिये जेएनकेवीवी जबलपुर भेजे गये हैं। विस्तृत लैब परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही हाथियों की मृत्यु के कारणों का पता लग सकेगा। शासन के निर्णय अनुसार एसआईटी और एसटीएसएफ की टीमें हाथियों की मृत्यु के मामले के सभी संभावित पहलुओं पर लगातार जाँच कर रही है।

विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान का अध्ययन करवाने पर करें फोकस पीपीपी मोड पर बनाए जाएं आईटी पार्क

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शासकीय विभाग जन-कल्याण के लिए ड्रोन तकनीक के अधिक उपयोग के लिए प्रयास बढ़ाएं। अवैध वृक्ष कटाई, अवैध खनिज उत्खनन, सघन बस्तियों में पुलिस पेट्रोलिंग में ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाया जाए। वन क्षेत्रों में शिकार की घटनाएं भी ड्रोन तकनीक से ज्ञात कर अपराधियों को दंडित करने में उपयोग किया जाए। मैपकास्ट के साथ?क्रिस्प और इस तरह की अन्य संस्थाएं समान स्वरूप की गतिविधियों का संयुक्त रूप से समन्वय पूर्वक संचालन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय कक्ष में हुई बैठक में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों और संचालित प्रकल्पों से संबंधित निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पीपीपी मोड से आईटी पार्क बनाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन और अनुसंधान के लिए प्रेरित किया जाए। स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी वेधशालाओं का भ्रमण कर ज्ञान स्तर बढ़ाएं। प्रदेश में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित अतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर युवाओं को जोड़ा जाए। इन क्षेत्र में पीएच.डी. के लिए भी छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाए। विद्यार्थियों को वर्तमान दौर से जोड़ने के लिए उनके बौद्धिक स्तर को बढ़ाना आवश्यक है। नव -वैज्ञानिक संवाद सत्र आयोजित किए जाएं। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष उज्जैन तारामंडल में 8 करोड़ की लागत से अपग्रेडेशन के कार्य हुए हैं। यहाँ थ्रीडी 4य प्रोजेक्शन सिस्टम लोकार्पित होने के बाद 400 से अधिक शो सम्पन्न हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या में स्कूल- कॉलेज के विद्यार्थी रूचि लेकर पहुंच रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने सभी विभागों में मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से साइबर सुरक्षा के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए भी नगरीय प्रशासन विभाग के आईटी प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी एमपीएसईडीसी को दी जाएगी। इसके लिए मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा अभी से प्लान बनाकर कार्य किया जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सक्षम बने एवं विभिन्न प्रोजेक्ट की साइबर सुरक्षा के लिए भी कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 6 पुराने शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों को आईआईटी की तर्ज पर विकसित किया जाए।बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पीपीपी मोड पर प्रदेश में आईटी पार्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रोन टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग की जरूरत बताते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिटिक्स जैसी नवीन तकनीक का समावेश किया जाए। पुलिस विभाग में विभिन्न स्थानों का डाटा को इंटीग्रेटेड कर हीट मैप डेवलप करें, जिससे अपराध का विशलेषण किया जाए अपराधों में कमी लाई जा सके। मुख्य सचिव ने पीएम गति शक्ति पोर्टल का प्रभावी उपयोग करने पर भी जोर दिया। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे ने विभागीय कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन टेक्नोलॉजी का विभिन्न विभागों में उपयोग हो रहा है। प्रदेश में राजस्व, वन, नगरीय प्रशासन, रेरा, कृषि और उद्योग विभागों में ड्रोन टेक्नोलॉजी तकनीक विकसित करने के प्रोजेक्ट्स प्रारंभ किए गए हैं। उन्होंने साइबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट्स की भी जानकारी दी।

बी.ओ.सी. डब्लू में पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवारों के सदस्यों के बनाए जाएंगे आयुष्मान कार्ड

राजू राय

शहडोल 6 नवंबर2024- प्रभारी सहायक श्रम आयुक्त संभाग शहडोल ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के (BOCW) के पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के पात्र सदस्यों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु जिला/ब्लॉक / पंचायत स्तर पर "BoCW Ayushman card Saturation" का क्रियान्वयन 11 नवम्बर 2024 सोमवार तक किया जाना है। शेष पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के पात्र सदस्यों से अपील है कि, आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड व समग्र आई0डी0 लेकर नजदीकी आयुष्मान मित्र/कॉमन सर्विस सेन्टर से सम्पर्क कर 05 लाख तक के उपचार की सुविधा प्राप्त करने हेतु आयुष्मान भारत योजना में अपना पंजीयन कराया जाना सुनिश्चित करें।

हीटर पर रोटी सेकते समय महिला को लगा करंट, मौके पर महिला की मौत

रिपोर्ट= राजू राय

शहडोल जिले में इलेक्ट्रिक हीटर में रोटी बना रही महिला को करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के लोग जब किचन में पहुंचे तो महिला अचेत अवस्था में हीटर के पास पड़ी हुई थी। इसके बाद परिजनों ने हीटर बंद कर महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना जैतपुर की है थाना प्रभारी राम कुमार गायकवाड़ ने बताया कि 38 वर्षीय महिला की मौत हीटर से करंट लगने के कारण हुई है। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

सामतपुर अनूपपुर मढ़फा तालाब में छठी मैया के पूजन में आज दिनांक 06 नवम्बर को झंडा वंदन का पूजा कार्यक्रम संपन्न।

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर। छठ पूजा समिति के द्वारा पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ छठ मैया का पूजन किए जाने का निर्णय लिया गया जिसमें नगर के एवं पूर्वांचल वासियों के द्वारा आज दिनांक 06 नंवबर बुधवार को खरना के साथ सामतपुर मड़फा तालाब पांडव कालीन शिव मारुति मंदिर में शाम चार बजे छठ मैया के पूजा का ध्वज वंदन के साथ शुभारंभ हुआ। झंडा वंदना विद्वान पंडित सुभाष मिश्रा और बलराम मिश्रा के विधि विधान पूर्वक मंत्रों चरण के साथ संपन्न हुआ । झंडा वंदन के समय समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद , लक्ष्मण राव ,राजीव शुक्ला, पार्षद गणेश रौतेल, पार्षद प्रवीण सिंह ,पार्षद अनिल पटेल , चैतन्य मिश्रा, शिवाशू रंजन बैठा, राहुल प्रसाद, प्रीतम सिंह,, रवि तिवारी, ऑटो यूनियन के अध्यक्ष जवाहर साहू ,रमाकांत साहनी, नगर पालिका से डीएन मिश्रा,शिव मारुति सेना के अध्यक्ष बृजेश सिंह राठौर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे,साथ राज्य आपदा प्रबंधन केन्द्र अनूपपुर के जिला कामान्डेट और उनके साथ टीम के सदस्य भी सुरक्षा व्यवस्था का जयजा लेकर अवलोकन के साथ टीम को तैनात किया । दिनांक 07 नवम्बर को सूर्यास्त के पूर्व प्रथम अर्ग तथा 08 नवम्बर को सूर्य उदय के साथ द्वितीय अर्ग के द्वारा छठी मैया का पूजन कार्यक्रम किया जाएगा जिस पूजन की तैयारी हेतु पांडव कालीन सामतपुर अनूपपुर नगर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल मड़फा तालाब मे पूजन हेतु घाट की सफाई के साथ छठी मैया के पूजन आसन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है । समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद ने बताया की 08 नवम्बर को सूर्योदय के साथ पूजा की समाप्ति पर समस्त उपस्थित श्रद्धालु एवं व्रत धारी माता और बहनों को पारण हेतु व्यवस्था की गई है । छठ घाट की तैयारी में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजूलिका सिंह पार्षद गणेश रौतेल और शिव मारुति सेना के साथ साथ नगर पालिका परिषद के समस्त अधिकारी कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग के द्वारा साफ सफाई के साथ प्रकाश एवं टेंट की व्यवस्था की गई है । ऐतिहासिक छठ मैया के पूजा मे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। इसके लिए गोताखोरो की व्यवस्था की गई है। साथ ही पुलिस विभाग से भी सहयोग मांगा गया है । मड़फा सामतपुर तालाब के आयोजक मंडल में प्रमुख रूप से छठ घाट की तैयारी में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजूलिका शैलेंद्र सिंह पार्षद गणेश रौतेल भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी, जिला आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, शिव मारुति सेना के साथ साथ नगर पालिका परिषद के समस्त अधिकारी कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग के द्वारा साफ सफाई के साथ प्रकाश एवं टेंट की व्यवस्था की गई है पूजा की समस्त तैयारी मे महत्वपूर्ण योगदान देते हुए ऐतिहासिक छठ मैया के पूजा मे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। इसके लिए गोताखोरो की व्यवस्था की गई है। साथ ही पुलिस विभाग से भी सहयोग मांगा गया है। मड़फा सामतपुर तालाब के आयोजक मंडल में प्रमुख रूप से, संरक्षक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम कुमार त्रिपाठी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अजुलिका शैलेंद्र सिंह, समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद, भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी, कल्याण सिंह, राजीव शुक्ला, लक्ष्मण राव, आशीष त्रिपाठी, शैलेंद्र सिंह, पार्षद गणेश रौतेल, सत्येंद्र स्वरूप दुबे, उमेश राय, सुजीत मिश्रा, दिनेश मिश्रा, अजय कुमार प्रसाद, शिवांशु रंजन,वरुण चटर्जी, राहुल कुमार, समस्त शिव मारुति युवा संगठन के सदस्य, आरके सिंह, प्रमोद गौर ,डीएन यादव, विनोद सिंह, विजय राठौर, गणेश राठौर, अनिल सिंह,, बद्रीनाथ तिवारी, रविंद्र प्रताप यादव,संदीप गर्ग, श्रीमती संतोष दुबे के साथ पूर्वांचल के सभी व्रत धारी के सहयोग से कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

नम आंखों से दी गई मां मनोकामना को विदाई फूलों से सजाई गई नगर की सड़के भक्तों का लगा रहा दरबार

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

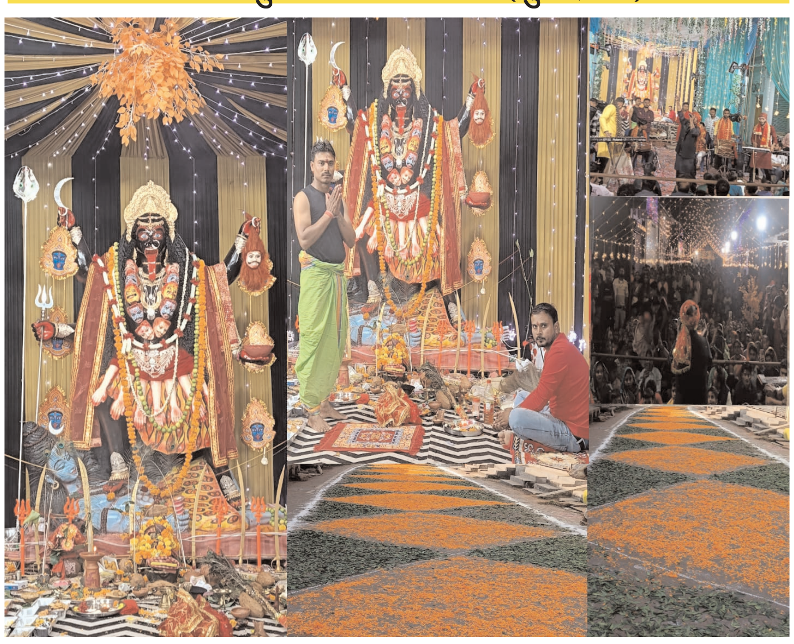

अनूपपुर। बड़े ही उत्साह,उमंग और ढोल-धमाका के साथ 30 अक्टूबर 2024 को राम जानकी मंदिर के पास जय मां मनोकामना का आगमन हुआ था।काफी संख्या में भक्त जनों ने उनकी आगमनी की और उन्हें विराज मानकर तीन दिवस भक्तिमय वातावरण में उनकी पूजा एवं आराधना की। धर्म प्रेमी,सामाजिक,जागरूक नागरिक शुभम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि जय मां मनोकामना का पांचवें वर्ष में प्रवेश हुआ है।मां मनोकामना का भव्य दरबार सजाया गया था।निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 30 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार को बाजे,गाजे के साथ मां का भव्य आगमन हुआ।दिनांक 31 अक्टूबर 2024 दिन गुरूवार को विशेष पूजन हवन एवं आरती रात्रि 12.00 से सुबह 5.00 बजे तक आयोजित की गई।दिनांक 01 नवम्बर 2024 दिन शुक्रवार प्रातः 11.00 बजे से कन्या भोजन एवं विशाल भंडारा,शाम 7 बजे ढोल बाजों के साथ मां की संध्या कालीन भव्य महा आरती एवं महाप्रसादी वितरण एवं भक्ति मयी संगीतों के साथ ममता भरा देवी जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें अनूपपुर शहर के काफी संख्या में भक्त जनों ने भाग लिया।दिनांक-02 नवम्बर 2024 दिन शनिवार को नम आंखों से मां की विदाई की गई।इस अवसर पर नगर के विभिन्न मार्गो को फूल मालाओं से सजाया गया। जिस पर से मां मनोकामना को नम आंखों से विदाई दी गई। इस अवसर पर भारी संख्या में धर्म प्रेमी नाचते,गाते हुए उत्साह एवं उमंग के साथ ही नम आंखों से मां मनोकामना को विदाई दी।नगर के भक्त जनों ने तीन दिवस मां मनोकामना का आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसमें काफी संख्या में पुरुष,महिलाएं,बच्चे सभी सपरिवार शामिल थे।

जिले में सफेद चंदन की खेती को बढ़ावा देने का प्रयास, किसानों के लिए लाभदायक निवेश हो सकता है - धमेन्द्र नाहर

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

कोतमा/बिजुरी ङ्कअनूपपुर जिले में मलयागिरी सफेद चंदन की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई पहल शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों को अधिक लाभकारी फसलों की ओर आकर्षित करना है। सफेद चंदन की बढ़ती मांग और इसकी उच्च कीमत को देखते हुए, यह खेती क्षेत्र के किसानों के लिए एक उत्कृष्ट निवेश विकल्प साबित हो सकती है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को इस लाभकारी कृषि की ओर प्रेरित करना है।

इस संबंध में इनका अनुभव और योगदान

धर्मेंद्र नाहर निवासी नगर डोला जो पिछले पाँच वर्षों से इस क्षेत्र में सफेद चंदन की खेती को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नाहर ने बैंगलोर के भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा संस्थान (Institute of Wood Science and Technology, IWST) से चंदन की खेती पर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनका कहना है कि सफेद चंदन की खेती लंबे समय में किसानों को अच्छे लाभ का अवसर प्रदान करती है। नाहर बताते हैं कि अनूपपुर जिले की जलवायु, जिसमें उचित वर्षा और संतुलित तापमान होता है, सफेद चंदन के पौधे के लिए अत्यंत अनुकूल है। यहां की भूमि चंदन के पौधों की वृद्धि और अच्छे गुणवत्ता वाले चंदन के उत्पादन में सहायक है।

लागत और संभावित लाभ

सफेद चंदन की खेती की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, जिसमें पौधों की खरीद, सिंचाई प्रणाली और भूमि की तैयारी शामिल है। रोपण के लिए चंदन के पौधे की कीमत उसकी ऊंचाई के आधार पर लगभग 250 से 600 रुपये तक हो सकती है। लगभग एक एकड़ भूमि पर चंदन की खेती करने में 1-2 लाख रुपये तक का खर्च आता है। हालाँकि, एक बार निवेश करने के बाद, 10-15 वर्षों में यह खेती किसानों को प्रति पेड़ लाखों रुपये का मुनाफा प्रदान कर सकती है। सफेद चंदन का उपयोग इत्र, औषधि, और धार्मिक कार्यों में होता है, जिससे इसकी कीमत बाजार में स्थिर बनी रहती है। नाहर के अनुसार एक बार खेती सफलतापूर्वक स्थापित हो जाने के बाद इसकी देखभाल में बहुत कम खर्च आता है, और यह भविष्य में किसानों के लिए दीर्घकालिक संपत्ति बन सकती है। सरकार और कृषि विभाग द्वारा भी इस पहल का समर्थन किया जा रहा है, और किसानों को तकनीकी सहायता और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अनूपपुर जिले के किसानों के लिए बेहतर अवसर

इस बारे में धर्मेन्द्र नाहर का मानना है कि अनूपपुर के किसानों के पास चंदन की खेती के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने का एक अनोखा अवसर है। चंदन की खेती न केवल उन्हें आर्थिक स्थिरता प्रदान करेगी, बल्कि जिले में भी एक नई आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देगी।

महिला नहीं, पुरुष हैं इमाने खेलीफ?

मेडिकल रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं।

पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाज अल्जीरिया की इमाने खेलीफ एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। ओलंपिक के दौरान खेलीफ लैंगिक मामले को लेकर काफी चर्चा में रहीं थीं, लेकिन उन्होंने इन सबके बीच शानदार प्रदर्शन किया था और पहला स्थान हासिल करने में सफल रही थीं। हालांकि, एक बार फिर वह चर्चा में आ गई हैं और उसकी वजह है एक मेडिकल रिपोर्ट जिसमें चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खेलीफ के अंदर पुरुषों वाले कई अंग हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया है कि खेलीफ के पास आंतरिक अंडकोष और एक्सवाई गुणसूत्र (पुरुष गुणसूत्र) हैं, जो फाइव अल्फा रिडक्टेस अपर्याप्तता नामक डिसऑर्डर की तरफ इशारा करते हैं। पेरिस ओलंपिक के दौरान भी खेलीफ के खिलाफ खेलने वाली कुछ महिला मुक्केबाजों ने इशारों में इस बात के संकेत दिए थे। हालांकि, उस वक्त ओलंपिक समिति ने खेलीफ के खेलने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था।

विवाद पर खेलीफ ने तोड़ी थी चुप्पी

खेलीफ ने ओलंपिक के दौरान लगातार लैंगिक विवाद को लेकर चुप्पी तोड़ी थी और कहा था, मैं किसी भी महिला की तरह एक महिला ही हूं। मैं एक महिला के रूप में पैदा हुई हूं और मैंने एक महिला के रूप में जीवन जिया है, लेकिन मेरी सफलता के कुछ लोग दुश्मन हैं और वे लोग मेरी सफलता को पचा नहीं सकते।

विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित किया गया था

दरअसल, विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अल्जीरिया की खेलीफ और ताइवान की लिन यू-टिंग पर बयान जारी करते हुए बताया था कि दोनों खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

एशियाई हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट की ट्रॉफी पहुंची नालंदा, धूमधाम से हुआ स्वागत

नालंदा(बिहार), एजेंसी। गत चैंपियन के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। एशियाई हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट (महिला) की ट्रॉफी का सोमवार को यहां के विश्व धरोहर स्थल नालंदा महाविहार में पहुंचने पर धूमधाम से स्वागत किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमियों के साथ स्कूली बच्चे भी मौजूद थे। हॉकी इंडिया और बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर के बीच नव विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। गत चैंपियन के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'ट्रॉफी को पहले पंजाब, हरियाणा, ओडिशा और झारखंड ले जाया गया था।

ऐतिहासिक सफलता के पीछे न्यूजीलैंड की अनुकूलन क्षमताः एजाज

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से ऐतिहासिक रूप से हराया, जिसमें टीम ने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों पर विजय प्राप्त की। उनमें से सबसे बड़ी बाधा पिचों की प्रकृति थी, जिसमें बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में टीमों के लिए अलग-अलग परिस्थितियां थीं।

पहले टेस्ट के लिए पिच में मौसम की बड़ी भूमिका थी और न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत को हराने के लिए तेज़ गति के अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाया, जिसने अनिवार्य रूप से खेल को अपने पक्ष में कर लिया। पुणे का विकेट, हालांकि स्पिन के लिए सहायक था, धीमा था और धीमे गेंदबाजों को इसे फिर से समायोजित करने की आवश्यकता थी। फिर से, मेहमान टीम ने परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझा और मिशेल सेंटनर की अगुआई में उनके स्पिनरों ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की पहली सीरीज जीत की नींव रखी। फिर मुंबई आया और इस बार एजाज पटेल ने परिचित परिस्थितियों में गेंदबाजी की, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड को ऋषभ पंत की चुनौती से पार पाने में मदद की और भारत में वाइटवॉश (न्यूनतम 3 टेस्ट) हासिल करने वाली पहली टीम बन गई।

मीडिया से बात करते हुए, एजाज ने न्यूजीलैंड के सामने आने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौती का सामना करने के लिए उनकी तैयारियों पर प्रकाश डाला। तीन अलग-अलग सतहें और तीन अलग-अलग मैच रहे हैं, और मुझे लगता है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि एशिया जाने की चुनौतियों में से एक यह है कि परिस्थितियां हर समय बदलती रहती हैं और आपको अनुकूल होना पड़ता है और मैच के भीतर भी परिस्थितियां बहुत तेज़ी से बदलती हैं। मेरा मतलब है कि इस मुंबई टेस्ट में भी मैं गेंदबाजी कर रहा था...मुझे लगता है कि पहली पारी में और मुझे लगा कि मैं वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूँ, लेकिन विकेट वास्तव में टर्न नहीं कर रहा था और फिर मैं लंच के बाद वापस आया और अचानक सब कुछ होने लगा। एजाज , जिन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड ने उपमहाद्वीप में विभिन्न पिचों का सामना करने के लिए अपने घर पर अच्छी तैयारी की थी,ने कहा, तो मुझे लगता है कि जब आप उपमहाद्वीप में आते हैं तो यह उस कौशल सेट और उस सीमा के बारे में होता है, चाहे वह 90 के दशक में गेंदबाजी करना हो या 80 के दशक में गेंदबाजी करना हो और शुरू से ही उन सीमाओं में अनुकूलन करने में सक्षम होना। यह सतह को जल्दी से पढ़ने के बारे में भी है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि परिस्थितियां निरंतर (दर) से बदलती हैं। कभी-कभी सुबह की परिस्थितियां मध्य सत्र की परिस्थितियों से बहुत अलग हो सकती हैं और इसलिए एक स्पिनर के रूप में यह जानना ज़रूरी है कि इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाए, अपनी गति कैसे बदली जाए, गेंद को आकार में रखते हुए कैसे ऊपर-नीचे किया जाए।

बरेली में राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता बुधवार से, देशभर के 809 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बरेली(उप्र.), एजेंसी। बरेली में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित होने वाली अंडर-17 वर्ग की राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए देशभर के खिलाड़ी बरेली आने लगे हैं। सोमवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ ही तमिलनाडु, गुजरात, तेलंगाना सहित कई अन्य राज्यों के खिलाड़ी शहर पहुंचे। इन्हें ठहराने के लिए अलग-अलग होटलों में कमरे बुक कराए गए हैं। जिले को पहली बार राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। छह से 10 नवंबर तक राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में होने वाली प्रतियोगिता के आयोजन में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए जिम्मेदार जुटे हुए हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, खाने-पीने, मैदान तक आने-जाने, अभ्यास की व्यवस्था सहित अन्य चीजों की जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों को दी गई है। खिलाड़ियों को ठहराने के लिए कई होटलों में 400 कमरे बुक किए गए हैं। पांच दिवसीय प्रतियोगिता के लिए अभी तक 809 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। बालिका वर्ग में 33 व बालक में 35 टीमें भाग लेंगी। मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद ने बताया कि मैदान में पांच कोर्ट बनाए गए हैं।

भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए

औपचारिक रूप से आशय पत्र भेजा!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को खेल महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 1 अक्टूबर को भावी मेजबान आयोग, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को औपचारिक रूप से आशय पत्र भेजा है, जिसमें 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की रुचि व्यक्त की गई है। सूत्रों ने आईएएनएस को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, भारत में 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण ने एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है।

सूत्र ने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर देश भर में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए पर्याप्त लाभ ला सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी में भारत की रुचि व्यक्त की है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पेरिस ओलंपिक के खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे 2036 में होने वाले इस भव्य आयोजन की तैयारियों के लिए अपने सुझाव देने को कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में, पिछले ओलंपिक में खेल चुके खिलाड़ियों से मिले सुझाव बहुत महत्वपूर्ण हैं।

आप सभी ने कई चीजों को देखा और अनुभव किया होगा। हम इसे दस्तावेज में दर्ज करना चाहते हैं और सरकार के साथ साझा करना चाहते हैं, ताकि 2036 की तैयारी में हम कोई छोटी-मोटी जानकारी न चूकें। पिछले साल मुंबई में आयोजित 141वें आईओसी सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी में भारत की रुचि की पुष्टि की थी और दावा किया था कि 140 करोड़ भारतीय इन खेलों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा था, हम वर्ष 2036 में भारतीय धरती पर ओलंपिक आयोजित करने के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह 140 करोड़ भारतीयों का सदियों पुराना सपना और आकांक्षा है। इस सपने को आपके सहयोग और समर्थन से साकार करना है।

आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने भी भारत के मामले का समर्थन करते हुए दावा किया था कि भारत के लिए ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का मजबूत मामला है। भारत उन 10 देशों में शामिल है, जिन्होंने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में रुचि दिखाई है। नवंबर 2022 में, आईओसी ने भारत सहित उन देशों के साथ चर्चा शुरू की, जिन्होंने रुचि दिखाई है।

2036 खेलों की मेजबानी में शुरुआती रुचि दिखाने वाले 10 देशों में मेक्सिको (मेक्सिको सिटी, ग्वाडलजारा-मॉन्टेरी-तिजुआना), इंडोनेशिया (नुसंतारा), तुर्की (इस्तांबुल), भारत (अहमदाबाद), पोलैंड (वारसॉ, क्राको), मिस्र (नई प्रशासनिक राजधानी) और दक्षिण कोरिया (सोल-इंचियोन) शामिल हैं। ओलंपिक के लिए मेजबानी के अधिकार का आवंटन अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा एक विस्तृत मेजबान चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। आईओसी के पास एक समर्पित निकाय है, जिसे फ्यूचर होस्ट कमीशन कहा जाता है, जो इस विषय से निपटता है।

जासरवानी में हुआ किसान सम्मेलन का आयोजन

विधिवत भगवान बलराम का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

नर्मदापुरम। बनखेड़ी नजदीकी ग्राम जासरवानी में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी की उपस्थिति रही। विधिवत भगवान बलराम का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजित उपस्थित किसान बंधुओ एवं ग्रामीण जनों से संवाद करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी जन कल्याणकारी योजनाओं के विषय में जानकारी दी। श्री चौधरी ने किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमें उत्पादकता बढ़ाने और रसायनों और उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह जी चौहान एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का लक्ष्य प्रति हेक्टेयर उपज बढ़ाना, जबकि उत्पादन लागत को कम करना और किसानों को उचित मूल्य प्रदान करना है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों से सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने जन आकांक्षाओं एवं स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। स्थानीय स्तर की समस्याओं के लिए निराकरण के लिए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित बनखेड़ी तहसीलदार श्रीमती अलका इक्का को निर्देशित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सदस्य नीतिराज सिंह पटेल ,बरेली नगर पालिका अध्यक्ष हेमंत चौधरी, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरनाम सिंह राजपूत, संजीव मालानी ,अमित महेश्वरी ,भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेश पटेल, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेश कुशवाहा, भागीरथ कुशवाहा, संतोष नागवंशी , मुन्नालाल वर्मा, राजेश बमोरिया सहित ग्राम वासियों एवं क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति रही।

जन चेतना शिविर का हुआ आयोजन, साइबर फ्रॉड से होने वाले नुकसान से बचें - एस.पी रोहित कसवासी

सिरोंज । बुधवार को थाना परिसर सिरोंज में जन चेतना शिविर का आयोजन हुआ जिसमें पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी शामिल हुए जन चेतना शिविर को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में तेजी से फैल रहे साइबर फ्रॉड से बचे ओर सोशल मीडिया को हैक करके पैसे ऐंठने वाले ग्रहों से बचें ओटीपी एवं महत्वपूर्ण जानकारियां किसी भी कॉल पर सजा ना करें अगर ऐसी कोई जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचना करें व्हाट्सएप पर फर्जी वीडियो कॉल,ऑडियो कॉल से बचें और रिसीव ना करें आगे बताया कि सोशल मीडिया पर सतर्कता बरते और फैमिली फोटो स्वयं के फोटो ना डालें जिससे हम साइबर फ्रॉड से बच सकेंगे बड़ी संख्य में होने वाले एक्सीडेंट होने का कारण है यह भी हैं कि वाहन चलाते समय हम हेलमेट नहीं लगाते और मोबाइल पर बातें करते हुए वाहनों को ड्राइव करते हैं जिससे दुर्घटना होने के चांस अधिक होते हैं साथ ही शराब पीकर वाहन ना चलाएं ऐसा सभी को सतर्कता बरतनी होगी जिससे एक्सीडेंट होने से बचा जा सके नशा हमारे जीवन में जहर बनके घुल रहा है नशे की प्रवृत्ति युवाओं में चरम पर है इसे रोकने में हमारी मदद करें नशा अच्छे खासे परिवार को खत्म कर देता है नशे की आदत अधिक होने के कारण घटना का रूप ले लेती हैं आजकल गेमिंग फ्रॉड से अपने बच्चों को दूर रखें ऑनलाइन गेमिंग की इसे रोकने में हमारी मदद करें और अपने बच्चों पर ध्यान दें इत्यादि जानकारियां देते हुए पुलिस अधीक्षक पुलिस रोहित काशवानी ने जन चेतना शिविर में पधारे हुए समाज जनों को बताया इसी दौरान लोगों ने अपने-अपनी समस्या महोदय के समक्ष रखें जिसमें मुख्य बाजार में ट्रैफिक की समस्या में सुधार किया जाए, और मंडी बाईपास पर लगने वाले ट्रैफिक से कैसे निजात मिले साथ ही भोपाल से सिरोंज आने वाली बसों की रफ्तार जो कभी भी घटना का रूप ले सकती है ऐसी कई समस्याएं लोगों ने एसपी महोदय के समक्ष रखें आश्वासन देते हुए एसपी रोहित काशवानी ने एसडीओपी उमेश तिवारी एवं थाना प्रभारी संदीप पवार को दिशा निर्देश दिए इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस स्टाफ सहित समाज सेवी ,गणमन नागरिक एवं जनप्रतिनिधि ,सामाजिक संगठनों से लोग मौजूद रहे।

पूर्व मंडी अध्यक्ष को श्रद्धांजलि देने पहुंचे भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री

सिरोंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुनाथ सिंह रघुवंशी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत सामाजिक सद्भाव प्रमुख घनश्याम रघुवंशी की माता जी पूर्व मंडी अध्यक्ष रामकली बाई को श्रद्धांजलि देने बुधवार को उनके गांव बगरोदा में ग्रह निवास पर पहुंचे भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर पथरिया खंड के संघ चालक वीरेंद्र सिंह रघुवंशी, भाजपा मंडल मंत्री शिवराज सिंह, भोगीराम, प्रमोद रघुवंशी, सीताराम रघुवंशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

176 मरीज का किया नेत्र परीक्षण,79 को दवाइयां वितरण की 53 के होंगे मोतियाबिंद के होंगे ऑपरेशन

विदिशा। सद्गुरु विजन सेंटर पर नागरिक बैंक के पूर्व अध्यक्ष कैलाश सक्सैना और पार्षद व पत्रकार सौदान सिंह यादव डॉ एके जैन गणेश राम रघुवंशी ने सदगुरु श्री रण छोड़ दास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया। डॉ राजकरण वर्मा, डॉ सौरभ शर्मा,कैंप प्रभारी गोलू राठौर ने 176 मरीजों के नेत्र परीक्षण कर उन्हें नेत्र रोगों से बचाव के तरीके बताएं और उनसे अनुरोध किया कि वह प्रत्येक माह में अपने नेत्र परीक्षण कारण ताकि नेत्रों से होने वाली परेशानियों से सामना न करना पड़े। इस अवसर पर स्वर्गीय श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले एवं मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संघटन के प्रदेश प्रभारी डॉ एके जैन, जिला अध्यक्ष गणेश राम रघुवंशी, भंडारी ने कहा कि स्वर्गीय रणछोड़ दास जी की कृपा से आनंदपुर ट्रस्ट द्वारा 50000 से अधिक ऑपरेशन निशुल्क किए जाते हैं जो की एक अनुकरणीय उदाहरण है। इस अवसर पर समाजसेवी संस्थाओं की और से जगदीश एलिया ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया एवम् रवि अहिरवार ने चश्मा की जांच की रवि धाकड़ ने शुगर व ब्लड प्रेशर की जांच की दवाइयों का वितरण नीलम सिंह जादौन ने किया सरदार सिंह सिसोदिया सहित नागरिक गण उपस्थित थे। 79लोगों को दवाइयां का वितरण किया गया और वहीं 53से अधिक लोग मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित किए गए। 27मरीज को चश्मे के नंबर निकालने की सलाह दी गई वहीं 17लोगों को ऑपरेशन के पश्चात चश्मे भी प्रदान किए गए और समाजसेवी पवन रिचारिय सुनील बाबू ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा मरीज को ऑपरेशन के पश्चात निशुल्क काला चश्मा एवं दवाई प्रदान किया जा रहे हैं उन्होंने नेत्र रोगियों से अनुरोध किया कि वह ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का लाभ उठाएं।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन या हटाने हेतु 28 नवम्बर तक लिए जाएंगे आवेदन

बीएलओ द्वारा मतदान केन्द्रों पर लिए जा रहे हैं आवेदन

रायसेन। फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, वोटर लिस्ट में संशोधन, दोहरी प्रवृष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के लिए 28 नवम्बर 2024 तक आवेदन लिए जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले में मतदान केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा ऑफलाईन आवेदन लिए जा रहे हैं। जिले में मतदाताओं से आवेदन प्राप्त करने हेतु 09 तथा 10 नवम्बर और 16 तथा 17 नवम्बर को विशेष कैम्प भी आयोजित किए जाएंगे। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण करने के उपरांत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 अंतर्गत जिन युवाओं की उम्र 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की पूर्ण हो रही है, उन युवा मतदाताओं से सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। साथ ही ऐसे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, उनसे भी आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं।

स्टैंडअप कमेडियन ने पार्क की दीवार से भिड़ा दी पोर्श कार, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के कारोबारी और हाल ही में स्टैंडअप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखने वाले उत्सव दीक्षित मुसीबत में घिर गए हैं। सड़क पर उलटी-सीधी ड्राइविंग करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उत्सव पर आरोप है कि उन्होंने अपनी लग्जरी पोर्श कार को पार्क की दीवार से टकरा दी। पुलिस ने बताया, शुक्रवार सुबह 6 बजे के करीब एक पोर्श कार केबीआर पार्क की बाउंड्री से टकरा गई। कार ने एक पेड़ को भी ठोकर मारी। इसके अलावा बाउंड्री वॉल का एक हिस्सा गिर गया है। वहीं कार के भी आगे का हिस्सा डैमेज हुआ है और पहिया टूट गई हैं। दीक्षित मौके से भाग गए थे लेकिन बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

33 साल के उत्सव पर आरोप है कि वह लापरवाही के साथ ड्राइविंग कर रहे थे और वह कार को काबू नहीं कर पाए। पुलिस ने बताया, कानून के मुताबिक उत्सव का अल्कोहल और ड्रग टेस्ट करवाया जाएगा। बंजारा हिल पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ बीएनसी और मोटर वीइकल ऐक्ट की धाराओं में केस लिखा गया है। इसके अलावा उनके खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाने का भी मामला दर्ज किया गया है।

इस घटना की जानकारी एक शख्स ने डायल 100 पर फोन करके दी थी। पोर्श कार पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। बाद में नंबर प्लेट टूटी-फूटी हालत में कार के अंदर ही मिली। उत्सव के लाइसेंस को रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस भेज दिया गया है। वहीं कोर्ट ने भी पुलिस को निर्देश दिया है कि बीएनएस के सेक्शन 35 के तहत उन्हें पूछताछ के लिए हाजिर किया जाए।

गुरुग्राम में सोहना एलिवेटेड फ्लाईओवर पर भीषण हादसा, 2 छात्रों की मौत; 3 लोग अस्पताल में भर्ती

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में सोहना एलिवेटेड फ्लाईओवर पर सोमवार को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जानकारी की मिलते ही मौके पर पहुंची भोंडसी थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड रोड पर दो तेज रफ्तार कारों की भीषण टक्कर में दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक छात्र समेत दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को सोहना के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है।

सोमवार सुबह 8ः45 बजे गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड रोड पर बोम्बे गोलचक्र के नीचे तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। एक ही कार में सवार होकर गुरुग्राम से सोहना की दो अलग-अलग यूनिवर्सिटियों में पढ़ने आ रहे तीन दोस्तों में से दो की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली के घिटोरनी इलाके के नाथुपुर निवासी अक्षित, दक्ष और ध्रुव आज सुबह एक ही कार में सवार होकर कॉलजे जा रहे थे। अक्षित जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में फर्स्ट ईयर का छात्र था, जबकि दक्ष और ध्रुव दोनों ही केआर मंगलम यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं। इस हादसे में अक्षित और दक्ष ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था। दक्ष और दूसरी कार के चालक मोहित निवासी सोहना और बाइक सवार ईश्वर निवासी पलवल को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। हादसे में गंभीर रूप से घायल ध्रुव को सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बताया जा रहा है तीनों छात्र जिस कार में सवार थे वह हादसे के बाद करीब 12 फुट तक उछल कर बोम्बे गोल चक्र के पिलर जा टकराई। कार की पिलर में इतनी जोरदार टक्कर लगी कि पिलर में लगे लोहे के सरिया तक नजर आने लगे। पिलर से टकराने के बाद जमीन पर गिरने के दौरान कार सोहना से गुरुग्राम की तरह जा रही बाइक और कार के ऊपर गिरी, जिससे बाइक सवार और कार सवार बाल-बाल बच गए। हादसे में घायलों को सोहना के नागरिक अस्पताल में पहुंचाने के लिए एलिवेटेड मार्ग पर चलने वाले वाहनों को सोहना में ही रोक दिया। उसके बाद सड़क के बीच में पड़ी क्षति ग्रस्त कार और बाइक को हाइड्रा की मदद से एक तरफ किया गया। हादसे के करीब एक घंटा बाद भोंडसी पुलिस ने यातायात व्यवस्था को फिर से शुरू कर दिया।

लोकसभा में आप लोगों ने साहेब को खुश होने का मौका दिया था, इस बार मुझे ही वोट दें :अजित पवार

बारामती, एजेंसी। महाराष्ट्र की बारामती विधानसभा सीट पर सबसे हाईप्रोफाइल मुकाबला चल रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में पवार बनाम पवार की जंग दिखी थी और एक बार फिर से ऐसा ही हो रहा है। अजित पवार के मुकाबले शरद पवार ने उनके ही भतीजे युगेंद्र पवार को उतार दिया है। इस बीच अजित पवार ने इमोशनल अपील की है। उन्होंने रविवार को बारामती में एक कार्यक्रम में कहा कि लोकसभा चुनाव में आप लोगों ने साहेब को खुश होने का मौका दिया था। लेकिन इस बार आप लोग मुझे ही वोट दें। अजित पवार ने यह वादा भी किया कि वह बारामती में पानी की सप्लाई कराएंगे।

लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्र पवार बारामती सीट से उतरी थीं। यहां उनका मुकाबला अपनी ननद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले से हुआ था। इस हाईवोल्टेज मुकाबले में अजित पवार की पत्नी हार गई थीं। इस नतीजे के बाद डिप्टी सीएम ने कहा था कि लोग परिवार को तोड़ने वालों को पसंद नहीं करते हैं। बारामती से पत्नी को उतारना उनकी गलती थी। इस तरह उन्होंने परिवार के बीच ही

चुनावी मुकाबले से बचने का संकेत दिया था। लेकिन अब विधानसभा चुनाव में शरद पवार ने उनके ही खिलाफ भतीजे को उतार दिया। अजित पवार के बड़े भाई श्रीनिवास पवार के बेटे युगेंद्र बारामती से उनके खिलाफ उतरे हैं। ऐसे में यह चुनाव अजित पवार के लिए अस्तित्व के संकट वाला हो गया है। अजित पवार के आगे मुश्किल यह है कि एक तरफ शरद पवार इमोशनल अपील कर रहे हैं और युगेंद्र भी उनके नाम पर वोट मांग रहे हैं। वहीं अजित पावर अपने चाचा पर सीधा हमला नहीं बोल सकते और उन्हें जीत भी हासिल करनी होगी।

गाजियाबाद में 5 जगहों पर 3-3 मीटर चौड़ी होगी सड़क, दो जिलों का सफर होगा सुगम

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद में हापुड़ चुंगी से करहेड़ा तक करीब पांच स्थानों पर सड़क चौड़ी होगी। इसके लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने तैयारी शुरू कर दी है। जीडीए उपचुनाव के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा, ताकि लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

हापुड़ चुंगी चौराहे से करहेड़ा तक वाहनों का काफी दबाव रहता है। इस दबाव को कम करने के लिए जीडीए ने इस रोड पर पांच स्थानों पर यू-टर्न बनाए हैं, लेकिन यह यू-टर्न इस मार्ग पर जाम का सबसे अधिक कारण बन गए हैं। इन यू-टर्न के कारण मुख्य मार्ग छोटी हो गई है, जिससे बड़े वाहनों को यू-टर्न से मुड़ने में भी दिक्कत होती है। इससे लंबा जाम लग जाता है। वहीं, सड़क छोटी होने के कारण वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो जाती है। अब जीडीए ने यू-टर्न बनाने वाले स्थानों पर सड़क चौड़ी करने की योजना तैयार की है। सड़क का चौड़ीकरण होने से लोगों को जाम की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा। साथ ही वाहन भी आसानी से मुड़ सकेंगे। जीडीए

अधिकारी बताते हैं कि इस मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का काम उपचुनाव के बाद शुरू होगा, जो छह महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। वहां सड़क छोटी हो गई हैं। वहां दोनों तरफ तीन-तीन मीटर सड़क की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। हापुड़ चुंगी से एएलटी की तरफ 150 मीटर दूरी पर, यशोदा कट से आगे और एएलटी फ्लाईओवर से पहले, राजनगर रेजिडेंसी से पहले, देविका स्पाईकर और केडब्ल्यू सृष्टि के बीच, मोरटी तिराहे से 100 मीटर आगे परिवर्तन स्कूल के पहले, रोटरी गोल चक्कर से मोरटी तिराहे की तरफ नंदग्राम कट से 100 मीटर पर यू टर्न बन चुके हैं।

एंबुलेंस में बैठकर पूरम महोत्सव में पहुंचे थे केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी! पुलिस ने दर्ज किया केस

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल पुलिस ने केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी के खिलाफ एंबुलेंस के दुरुपयोग के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। उनपर आरोप है कि पूरम महोत्सव मं व्यवधान की खबर सुनेन के बाद वह एंबुलेंस से वहां पहुंचे थे। त्रिशूर पुलिस ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 279 और मोटर वीइकल एक्ट की धारा 179, 288, 192 के तहत केस दर्ज किया है। एफआईआर में कहा गया है कि जिस वाहन का इस्तेमाल केवल मरीजों के लिए होना चाहिए, केंद्रीय मंत्री ने उसका इस्तेमाल निजी यात्रा के लिए किया है। उनके खिलाफ सीपीआई नेता सुमेश केपी ने शिकायत की थी।

राज्य में विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगयाा था कि त्रिशूर लोकसभा सीट से प्रत्याशी रहे बीजेपी के सुरेश गोपी के लिए ही महोत्सव में बवाल हुआ था। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि उन्हें वहां से कुछ युवाओं ने बचाकर उस एंबुलेंस में बिठा दिया, जो संकट में फंसे लोगों की सेवा के लिए

महोत्सव स्थल पर मौजूद थी। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में और कुछ बताने की जरूरत नहीं है। सीबीआई को आकर जांच करने दीजिए। क्या उनमें सीबीआई से जांच कराने की हिम्मत है। अगर ऐसा हुआ तो उनकी पूरी राजनीति जलकर भस्म हो जाएगी। आप चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए, तो सीबीआई से जांच कराएं।

गोपी ने इससे पहले भाजपा नेताओं समेत कुछ अन्य लोगों के दावों का खंडन किया था कि वह समारोह स्थल पर एंबुलेंस से पहुंचे थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के यह कहने के बाद कि पूरम और अन्य अनुष्ठान बाधित नहीं हुए थे, त्रिशूर पूरम व्यवधान विवाद ने राज्य में राजनीतिक बहस शुरू कर दी है। केरल के लोक निर्माण मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास ने सीबीआई जांच की गोपी की चुनौती को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह के बयान केवल फिल्मों के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने कोच्चि में संवाददाताओं से कहा, हम जानते हैं कि सीबीआई और अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल किस तरह से खास एजेंडे के लिए किया जाता है। उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता की पीट-पीटकर हत्या, रात में घर लौटते समय हमला

बीरभूम , एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता को पीट-पीटकर मार डाला गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बोलपुर शहर के पास पारुलडांगा में कुछ लोगों ने 40 वर्षीय समीर थांदर पर शनिवार रात को उस समय हमला किया, जब वह अपने घर लौट रहे थे। वह कंकलिताला पंचायत के सदस्य थे। पुलिस ने बताया कि बर्दवान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान समीर थांदर ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने मेरे पिता पर हमला किया। हमने उन्हें बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन वहां उनकी मृत्यु हो गई।' सूरी विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक विकास रॉय चौधरी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि थांदर पर हमला गांव के किसी विवाद के चलते किया गया।

कार से टक्कर मारकर किया घायल, फिर इलाज को साथ ले जाकर सड़क पर फेंका, हो गई मौत

पलवल, एजेंसी। हरियाणा के फरीदाबाद से सटे पलवल में मानवता को तार-तार करने वाला एक शर्मनाक मामला सामने आया है। कार की टक्कर से घायल हुए एक शख्स को अस्पताल पहुंचाने के बजाय कार सवार आरोपी पलवल से 45 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के टप्पल में सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गया। इससे घायल शख्स की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव चिरवाड़ी निवासी 45 वर्षीय नत्थी के रूप में हुई है। चांदहट थाना की पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। उसका छोटा भाई नत्थी 31 अक्टूबर की सुबह पड़ोसी सुरेंद्र के साथ बाइक से रसूलपुर गया था।

जीवन पर कई तरह से असर डालता है साफ सुथरा और व्यवस्थित घर

हम घर को साफ़-सुथरा और व्यवस्थित बनाते हैं, फिर घर हमारे मन को साफ़ और ज़िंदगी को व्यवस्थित करता है। दीपावली जीवन में जो अपार सुख भरती है, उसका एक बड़ा हिस्सा स्वच्छता और व्यवस्था से उपजता है। इस जादू को महसूस करने के दिन आ गए हैं!

दीपावली के आने की पहली आहट घर की साफ़-सफ़ाई के 'संगीत' में मिलती है। जीवन की धुरी घर है तो घर की धुरी स्त्री, यानी स्त्री के हाथों घर और घर के ज़रिए जीवन के व्यवस्थित होने की शुरुआत हो रही होती है। दीप पर्व दूसरे सारे त्योहारों की तरह हमें उमंग-तरंग से तो भरता ही है, साथ ही पूरे एक वर्ष के लिए हमारे जीवन का नवीनीकरण कर जाता है, इसीलिए ये हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा त्योहार है। दीपावली आती है तो घर की हर चीज़ पर नज़र ज़रूर डाली जाती है। उसे धोया या झाड़ा-पोंछा जाता है। उसकी सही जगह पर रखा जाता है। देखा जाता है कि फलां वस्तु अब काम की रही भी कि नहीं! वह वहीं ठीक रहेगी जहां रखी है या किसी और जगह पर उसका होना मुनासिब होगा? अगर वह अब अपने मूल काम की नहीं रही, तो क्या किसी और काम आ सकती है? और ये भी नहीं तो उसे किसे दे दिया जाए कि वह उसके कोई काम आ जाए? यह सब नहीं हो पाता, तब जाकर हम उसके फेंके जाने पर पहुंचते हैं। इस गुण ने ही तो इस प्राचीन सभ्यता को यूं जीवंत बनाए रखा है। हम किसी भी चीज़ के सदुपयोग की कोशिश अंत तक करते हैं।

घर को जमाना मन को सजाना

ऐसा नहीं है कि इस क़वायद का उद्देश्य केवल चीज़ों को चमकाना और अच्छा दिखाना है। इसके पीछे पूरा का पूरा मनोविज्ञान है। दरअसल, जब मन अच्छा होता है तब तो जीवन क्रम में रहता ही है, लेकिन कभी जब बिखराव ज्यादा हो जाए और मन समझाए न समझे, तब जीवन को व्यवस्थित कर मन को अच्छा करना पड़ता है। और दीपावली पर पूरे घर को फिर से व्यवस्थित करना वही नुस्ख़ा है। एक बार ठीक हुआ मन फिर लंबे समय तक या कह लीजिए, कम से कम एक साल तक तो जीवन को व्यवस्थित रखने के लायक़ बन ही जाता है और तब तक अगली दीपावली आ जाती है! घर में स्वच्छता और व्यवस्था का असर क्या होता है, यह शोध-अध्ययन के बजाय महसूस करने की बात है। हर किसी ने दिवाली की सफ़ाई के बाद में अतिरिक्त सकारात्मकता, उमंग और उत्साह का अनुभव किया ही होगा। जहां तक रिसर्च की बात है, तो उनसे भी पुष्टि होती है कि साफ़-सुथरा और अच्छी तरह व्यवस्थित घर रहने वालों के जीवन पर कई तरह से असर डालता है। सबसे बड़ा प्रभाव तो मन की उलझन और जकड़न दूर होने के रूप में पड़ता है। आप स्पष्ट ढंग से सोच पाते हैं। यही वजह है कि सुव्यवस्था को रचनात्मकता बढ़ाने वाला तत्व भी माना जाता है। तनाव और चिड़चिड़ापन भी कम हो जाता है। इसके अलावा, सामाजिक मामलों में आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि अब आपको चिंता नहीं होती कि कोई अचानक आ धमकेगा तो घर की हालत देखकर क्या सोचेगा! बल्कि आप तो लोगों को आमंत्रित करना चाहते हैं। यह भी मानी हुई बात है कि अस्त-व्यस्त, कबाड़ख़ाने जैसी जगह में नींद ढंग से नहीं आती, सो दिवाली के लिए की गई मेहनत आपकी नींद, सुकून, चैन और आराम में भी बढ़ोतरी करती है।

व्यवस्था में प्रवाहित होती है ऊर्जा

विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठक ज़रूर जानते होंगे कि अणुओं का व्यवस्थित होना ही विद्युत के प्रवाह को संभव बनाता है। अणु व्यवस्थित क्रम में हुए नहीं कि बिजली अपने उद्गम से उपयोग तक निर्बाध बहने लगती है। ठीक इसी तरह हमारे घर का व्यवस्थित होना हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने लगता है और तब यही ऊर्जा हमारे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की वाहक बनती है। मां लक्ष्मी की हम पर कृपा बरसने लगती है।
यही तो है दीपावली, दीपों की अवली, दीपों की पंक्ति। अमावस की उस रात हमारे घरों की चारदीवारी और मुंडेर पर लगे पंक्तिबद्ध दीये इसी बात की ही तो घोषणा कर रहे होते हैं कि देखो! हमने अपना जीवन व्यवस्थित कर लिया है। अब इसमें ऊर्जा प्रवाहित होगी।

मुक्त होने का मंत्र...

हर भावनात्मक लगाव की तरह इस बात को समझना भी बहुत ज़रूरी है कि कोई भी चीज़ चाहे आज कितनी ही ठीक हालत में क्यों न हो, कभी कितनी ही क़ीमती क्यों न रही हो, अगर आज हमारे किसी भी काम की नहीं, तो बेहतर है हम ऐसे किसी को दे दें जिसके काम आए। और इसे जांचने का एक सीधा-सा तरीक़ा है ... यदि दैनिक जीवन की किसी चीज़ को आपने एक वर्ष से काम में नहीं लिया या वार-त्योहार के लिए सहेजी चीज़ों को ऐसे ही किसी मौक़े पर काम में लेने से आप हिचकिचाए हैं और अंततः आपने उसे रखा ही रहने दिया, तो यक़ीन मानिए वह अब आपके किसी काम की नहीं। उसका होना भीड़ ही बढ़ाएगा, अव्यवस्था ही फैलाएगा।

घर सजाते समय वॉलपेपर का इस्तेमाल करने से मिलते हैं ये पांच फायदे

पिछले कुछ समय से वॉलपेपर को इस्तेमाल करने का चलन काफी बढ़ गया है। आजकल लोग अपने घरों में पेंट से ज्यादा वॉलपेपर का इस्तेमाल करते हैं और घर के अलग-अलग एरिया की दीवार को खूबसूरत बनाते हैं। आजकल मार्केट में कई कलर, डिज़ाइन, पैटर्न व स्टाइल के वॉलपेपर मिलते हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद-नापसंद या फिर घर के इंटीरियर को ध्यान में रखकर सलेक्ट कर सकते हैं। वैसे वॉलपेपर सिर्फ आपके घर को खूबसूरत नहीं बनाते हैं, बल्कि इनके इस्तेमाल के अन्य भी कई फायदे होते हैं। जिनके बारे में अधिकतर लोगों को पता ही नहीं होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको होम डेकोर में वॉलपेपर का इस्तेमाल करने के कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं-

मनचाहा लुक देना होता है आसान

अपने घर को लेकर हमारे मन में कई तरह के विचार होते हैं। लेकिन सिर्फ पेंट के जरिए घर को मनचाहा लुक नहीं दिया जा सकता है। दरअसल, पेंट सिर्फ आपके घर को एक कलर देते हैं, जबकि वॉलपेपर की मदद से आप कई डिफरेंट डिजाइन, पैटर्न व कलर से अपनी दीवारों को सजा सकते हैं। आप अपनी पसंद के अनुसार थीम बेस्ड से लेकर कार्टून व क्लासिक स्टाइल में अपने घर को डेकोरेट कर सकते हैं।

बदलना होता है आसान

हम सभी समय-समय पर अपने घर के इंटीरियर में कुछ ना कुछ बदलाव करना चाहते हैं। इस लिहाज से भी वॉलपेपर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। जब आप अपनी दीवारों को सजाने के लिए वॉलपेपर को चुनते हैं, तो आप जितनी बार चाहें, उसे बिना किसी परेशानी के बदल सकेंगे। वहीं, दूसरी ओर घर में पेंट करवाना काफी झंझटभरा हो सकता है। लेकिन वॉलपेपर इस मामले में कहीं आगे है।

होते हैं अधिक ड्यूरेबल

ड्यूरेबिलिटी के लिहाज से भी वॉलपेपर बहुत अच्छे माने जाते हैं। वॉल पेंट में समय के साथ पीलापन या फिर उनके निकलने की समस्या होने लगती है। लेकिन वॉलपेपर के साथ जल्दी से ऐसा कुछ नहीं होता है। अगर आप इसे सही तरह से अप्लाई करते हैं और अपनी दीवार की सही तरह से केयर करते हैं तो इससे आपका वॉलपेपर 8 से 10 साल तक चल सकता है। वहीं, अगर आप दीवार को पेंट करते हैं, तो आपको उसे टच अप या फिर से कलर करना होगा।

होते हैं अफोर्डेबल

जब भी हम अपने घर को सजाते हैं या फिर उसे रिनोवेट करने के बारे में सोचते हैं तो सबसे पहले मन में बजट का ही ख्याल आता है। ऐसे में वॉलपेपर का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया हो सकता है। आजकल मार्केट में वॉलपेपर की एक वाइड रेंज अवेलेबल है, जिसे आप अपनी पसंद व बजट के अनुसार चुन सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल ऐसे वॉलपेपर भी मिलते हैं, जिन्हें आप खुद ही दीवारों पर लगा सकते हैं। ऐसे में आपकी लेबर कॉस्ट भी बच जाती है।

लगाना होता है काफी आसान

वॉलपेपर लगाने में गन्दा नहीं होता है, और आपके किसी भी फर्नीचर या फर्श पर छींटे पड़ने का कोई खतरा नहीं होता है। जिससे आप बेहद कम समय में अपने घर का आसानी से मेकओवर कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर आपकी दीवार पर कोई क्रैक या निशान आदि है तो यह वॉलपेपर उसे भी बेहद ही खूबसूरती के साथ छिपा सकता है। बच्चों के घर के लिए तो इन्हें काफी अच्छा माना जाता है, क्योंकि अगर वॉलपेपर पर कोई निशान आ जाता है तो आप उसे आसानी से क्लीन भी कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव बना अरबपतियों की जंग का मैदान

न्यूयार्क, एजेंसी।
अमेरिका अपने नए राष्ट्रपति को चुनने के लिए फिर तैयार है। वहां 5 नवंबर को वोटिंग है। कई अरबपतियों कवर स्टोरी ने वहां बेहिसाब पैसे खर्च किए हैं। आखिर अरबपतियों के लिए भी ये चुनाव इतने अहम क्यों हैं? अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। चुनाव में अरबपतियों के बीच भी कड़ा मुकाबला चल रहा है क्योंकि इन्होंने अपने-अपने पसंदीदाप्रत्याशियों पर करोड़ों डॉलर खर्च किए हैं। इन प्रत्याशियों के बहाने इन अरबपतियों का भी काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है। दोनों मुख्य उम्मीदवारों के लिए उनके सहयोगी समूहों ने अक्टूबर के मध्य तक ही 3.8 अरब डॉलर (करीब 32 हजार करोड़ रुपए) से अधिक जुटा लिए थे।

एक विश्लेषण के अनुसार सिर्फ करोड़पतियों ने ही इस चुनाव में 69.5 करोड़ डॉलर (लगभग 5,800 करोड़ रुपए) खर्च किए हैं, जो कुल चंदे का 18 फीसदी हिस्सा है। इधर, चुनावी फंडिंग की जानकारी देने वाली साइट ओपनसीक्रेट्स ने दावा किया है कि 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव इतिहास के सबसे महंगे चुनाव होंगे। इस चुनाव पर कुल 15.9 अरब डॉलर (1.3 लाख करोड़ रुपए) खर्च हो सकते हैं। पिछले चुनाव में कुल खर्च 14.4 अरब डॉलर (1.2 लाख करोड़ रुपए) ही था।

अमेरिकी उद्योगपति आखिर डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन क्यों कर रहे हैं, इसका सीधा जवाब है टैक्स में कटौती। ट्रम्प ने कहा कि वे अधिकतम कॉर्पोरेट टैक्स को वर्तमान 21त्र से घटाकर 15त्र कर देंगे। जब ट्रम्प व्हाइट हाउस पहुंचे थे, तब अमेरिका में ये दर 35त्र थी। वहीं डेमोक्रेट्स इसे 28त्र तक बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। ट्रम्प वेल्थ टैक्स को कम करने का भी समर्थन करते हैं। वहीं बाइडेन 10 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले परिवारों पर वेल्थ टैक्स लगाने की मांग कर रहे हैं। अमेरिका के कई अरबपति डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस का समर्थन कर रहे हैं और इसका एक बड़ा कारण यह है कि उनकी आर्थिक नीतियां अनेक व्यावसायिक हितों के साथ मेल खाती हैं। एक तो उन्हें डेमोक्रेट्स की नीतियों में स्थिरता नजर आती है। फिर हैरिस दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों चिप मैन्युफैक्चरिंग और रियल एस्टेट में अधिक निवेश किए जाने की पैरवी करती हैं। कई उद्योगपति इन दोनों क्षेत्रों में निवेश में लगातार बढ़ोतरी कर रहे हैं, जिससे उन्हें फायदे की उम्मीद है। डोनाल्ड ट्रम्प की गिनती निजी दुश्मनी निभाने वालों में होती है। ट्रम्प के कार्यकाल में कई उद्योगपति निशाने पर थे। उदाहरण के तौर पर जब ट्रम्प टीवी चैनल सीएनएन के कवरेज से नाराज हुए थे, तब कहते हैं कि उन्होंने पिछले दरवाजे से एटी एंड एटी और टाइम वार्नर (सीएनएन की पैरेंट कंपनी) के बीच विलय को रोकने का प्रयास किया था। इससे दोनों कंपनियों को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। इसी तरह अमेजॉन पर भी ट्रम्प ने गुस्सा निकाला था। इस वजह से पेंटागन के साथ हुआ 10 अरब डॉलर का क्लाउड- कंप्यूटिंग कांट्रैक्ट उसके हाथ से चला गया था। हैरिस सामाजिक सुरक्षा में बेहतर कई उद्योपति कमला हैरिस का समर्थन करते हैं और इसकी वजह यूबीएस सर्वे से समझी जा सकती है। इसमें कम से कम 10 लाख डॉलर की संपत्ति वाले अमीरों को शामिल किया गया था। सर्वे में सामने आया कि 57त्र हैरिस के लिए और 43त्र ट्रम्प के लिए वोट देने की योजना बना रहे हैं। सर्वे में 971 अमीरों को शामिल किया गया था।

इंडोनेशिया : कुकिंग ऑयल फैक्ट्री में आग लगने से नौ की मौत, चार घायल

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सबसे बड़े शहर जकार्ता के पास कुकिंग ऑयल फैक्ट्री में लगी भीषण आग में नौ लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इधम खोलिद के अनुसार, शुक्रवार को बेकासी शहर के एक औद्योगिक परिसर में आग लग गई। खोलिद बेकासी के आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण एजेंसी में पुनर्निर्माण और पुनर्वास इकाई के प्रमुख हैं। खोलिद ने सिन्हुआ को बताया कि आग में नौ लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए, उन्होंने बताया कि घायलों में अधिकांश लोग फैक्ट्री के कर्मचारी थे। चौथा घायल व्यक्ति एक फायर फाइटर था।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, खोलिद ने बताया कि आग पूरी तरह से बुझा दी गई है। उन्होंने आग के फिर से भड़कने की आशंका को रोकने के लिए किए जा रहे कोशिशों का जिक्र किया। जकार्ता खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख अगुंग प्रियम्बोडो ने बताया कि घायल व्यक्तियों को जलने से संबंधित चोटों के लिए अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। इससे पहले 15 अक्टूबर को पश्चिमी जकार्ता में दर्जनों घरों में आग लगने से तीन बच्चों सहित पांच लोगों की जान चली गई। 30 घरों को नष्ट करने वाली आग पर काबू पाने के लिए 22 दमकल गाड़ियों और 110 फायर डिपार्टमेंट के कर्मियों को तैनात किया गया। सुबह करीब 7 बजे आग बुझा दी गई।

केमी बैडेनोक बनी यूके की कंजर्वेटिव पार्टी की नई लीडर, देश की पहली अश्वेत महिला नेता

लंदन, एजेंसी।
झकेमी बेडेनोच को यूनाइटेड किंगडम (यूके) की नई कंजर्वेटिव पार्टी नेता चुना गया है। इसके साथ ही वह देश में किसी प्रमुख राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व करने वाली पहली अश्वेत महिला बन गई हैं। कंजर्वेटिव बैकबेंच 1922 कमेटी के अध्यक्ष बॉब ब्लैकमैन ने शनिवार को बताया कि पूर्व व्यापार एवं वाणिज्य राज्य मंत्री बेडेनोच ने 57 प्रतिशत वोट हासिल किए और उन्होंने पूर्व आव्रजन राज्य मंत्री रॉबर्ट जेनरिक को हराया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, देश में हुए आम चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी के लेबर पार्टी से हारने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने 5 जुलाई को इस्तीफा देने की घोषणा की थी, जिसके बाद टोरी के नेतृत्व की दौड़ तेज हो गई थी। 29 जुलाई को, 1922 समिति ने घोषणा की कि छह दावेदारों ने लीडरशिप की दौड़ में प्रवेश करने की आवश्यकताओं को पूरा किया है। जिसमें, रॉबर्ट जेनरिक, केमी बेडेनोच, जेम्स क्लेवरली, प्रीति पटेल, मेल स्ट्राइड और टॉम टुगेंदहट हैं। कई दौर की वोटिंग के बाद टोरी सांसदों ने सूची को अंतिम दो नामों तक सीमित कर दिया। इसके बाद कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों से 15 से 31 अक्टूबर के बीच वोट डालने को कहा गया ताकि अंतिम विजेता का फैसला हो सके। टोरीज को ना केवल ब्रिटिश लोगों को आकर्षित करने वाले रूढ़िवादी वादों की आवश्यकता है, बल्कि सरकार के काम करने के तरीके को बदलकर इस देश को बदलने की एक स्पष्ट योजना की भी आवश्यकता है। नई टोरी नेता ने अपनी पार्टी के सदस्यों से यह भी कहा कि इस तथ्य के बारे में ईमानदार रहें कि हमने गलतियां की हैं। उन्होंने कहा, समय आ गया है।

पाकिस्तान के लिए नासूर बना आतंकवाद, अक्टूबर में टेररिस्ट अटैक में 198 की मौत

111 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए आतंकवाद एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अक्टूबर के दौरान देश में अलग-अलग आतंकी हमलों में कुल 198 लोग मारे गए और 111 अन्य घायल हो गए। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) ने शनिवार को यह जानकारी दी। पीआईसीएसएस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, आतंकवादी हमलों की संख्या में मामूली कमी के बावजूद, अक्टूबर वर्ष का दूसरा सबसे घातक महीना बनकर उभरा है। इससे पहले अगस्त में जब ऐसी घटनाओं में 254 लोग मारे गए और 150 अन्य घायल हुए।

मारे गए लोगों में 89 आतंकवादी, 62 सुरक्षाकर्मी और 38 नागरिक शामिल हैं, जबकि हमलों में 56 नागरिक, 44 सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी घायल हुए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार थिंक टैंक ने कहा कि पिछले महीने आतंकवादियों और सुरक्षा बलों की सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई, जिनमें से 81 प्रतिशत मौतें लड़ाकों की हुईं। पीआईसीएसएस के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में 68 घटनाओं के साथ आतंकवादी हमलों में 12 प्रतिशत की कमी आई, लेकिन सितंबर की तुलना में मौतों की संख्या में 77 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि 87 प्रतिशत हमले देश के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में केंद्रित थे। इसके बाद दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 24 घटनाएं हुईं, जबकि बाकी हमले दक्षिण एशियाई देश के अन्य क्षेत्रों में हुए। थिंक टैंक ने कहा, पाकिस्तान ने 2024 के पहले 10 महीनों के दौरान कुल 785 आतंकवादी हमलों का सामना किया, जिसके कारण 951 मौतें और 966 घायल हुए हैं, जो देश भर में हिंसा के लगातार उच्च स्तर को दर्शाता है।

यह है दुनिया का इकलौता देश जिसकी तीन राजधानियां

केपटाउन, एजेंसी।
आमतौर पर किसी भी देश की एक राजधानी होती है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जिसकी तीन राजधानियां हैं। इनके नाम प्रीटोरिया केपटाउन और ब्लूमफोंटेन हैं। जानते हैं कि आखिर क्यों दक्षिण अफ्रीका की तीन राजधानियां हैं। दरअसल यहां सरकार विधायी, प्रशासनिक और न्यायिक तीन ब्रांचों में बंटी हुई है। सरकार की न्यायिक शाखा ब्लूमफोंटेन में है क्योंकि ये देश का केंद्र है। प्रीटोरिया में फॉरेन एंबेसी है, क्योंकि आजादी से पहले भी ये यहीं थी । केपटाउन में संसद है क्योंकि अंग्रेजों के दौर से यहां पर संसद थी।

केपटाउन ~केपटाउन देश की विधायी राजधानी है। इसी शहर में देश की संसद है। जनसंख्या के हिसाब से ये देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यह वेस्टर्न केप की राजधानी है। यह दक्षिण अफ्रीका का संसद भवन भी है। यह जगह बंदरगाह, पर्वत और बाग आदि के लिए प्रसिद्ध है। टेबल मांउटेन, टेबल माउंटेन नेशनल पार्क, टेबल माउंटेन रोपवे, केप ऑफ गुड होप, चैपमैनस पीक, सिग्नल हिल, विक्टोरिया एंड अल्फ्रेड वाटरफ्रंट आदि यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। यह देश की प्रशासननिक राजधानी है । यहीं राष्ट्रपति रहते हैं। यहीं दूतावास भी बने हुए हैं। सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों के ऑफिस भी हैं। यह अफ्रीका की न्यायिक राजधानी है। यहीं देश की सुप्रीम कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट ऑफ अपील स्थित है। आफ्रीकान्स भाषा में ब्लूमफोनटेन का अर्थ फूलों का फव्वारा होता है, और यह शहर अपने फूल-भरे उद्यानों के लिए प्रसिद्ध है

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों के काफिलों पर हमले में 16 सैनिक घायल

इस्लामाबाद , एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के सरवेकाई क्षेत्र में बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला किया जिसमें 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों में कैप्टन रैंक का एक अधिकारी भी शामिल है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार कोअज्ञात बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के दो अलग-अलग काफिलों पर घात लगाकर हमले किए जिसमें एक अधिकारी समेत 16 सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के सरवेकाई क्षेत्र में बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला किया जिसमें 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों में कैप्टन रैंक का एक अधिकारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि लक्की मरवत जिले में दर्रा तुंग जांच चौकी के नजदीक एक और हमला उस समय हुआ जब काफिला करक जिले से काबुल खेल में एक परमाणु ऊर्जा परियोजना स्थल की ओर जा रहा था।

सबसे गर्म अक्टूबर- जापान में दर्ज किया गया रिकॉर्ड तोड़ तापमान

टोक्यो, एजेंसी। जापान में अक्टूबर में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया गया। 1898 में तापमान दर्ज होने की शुरुआत के बाद से यह सबसे गर्म अक्टूबर है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। शुक्रवार को जारी जेएमए डाटा के अनुसार, जापान भर में मासिक औसत तापमान सामान्य अक्टूबर के तापमान से 2.21 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक क्षेत्रीय स्तर पर, उत्तरी जापान में तापमान औसतन 1.9 डिग्री अधिक रहा, जबकि पूर्वी और पश्चिमी जापान में तापमान में 2.6 डिग्री की वृद्धि देखी गई। क्योटो, नागानो और मध्य टोक्यो जैसे शहरों में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जहां अक्टूबर में औसत तापमान क्रमशः 3.2 डिग्री, 3.1 डिग्री और 2.6 डिग्री बढ़ गया। भविष्य को देखते हुए, जेएमए का पूर्वानुमान है कि नवंबर का तापमान औसत से ऊपर रहेगा, हालांकि अगले सप्ताह ठंडी हवा चलने की उम्मीद है, जिससे तापमान में अधिक उतार-चढ़ाव हो सकता है। जापान में उच्च तापमान का पैटर्न जुलाई से ही लगातार बना हुआ है, जिससे इस तरह की बेमौसम गर्मी को लेकर चिंता बढ़ गई है। चिंता जताई जा रही है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने 24 अक्टूबर को अपनी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की वार्षिक मात्रा अब तक के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, जिसके मद्देनजर तापमान में बढ़ोतरी को टालने और जलवायु परिवर्तन के बदतरिन प्रभावों से बचने के लिए तत्काल क़दम उठाए जाने की जरुरत है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)